दिनांक 14 सितंबर से 20 सितंबर 2025, हिंदी सप्ताह

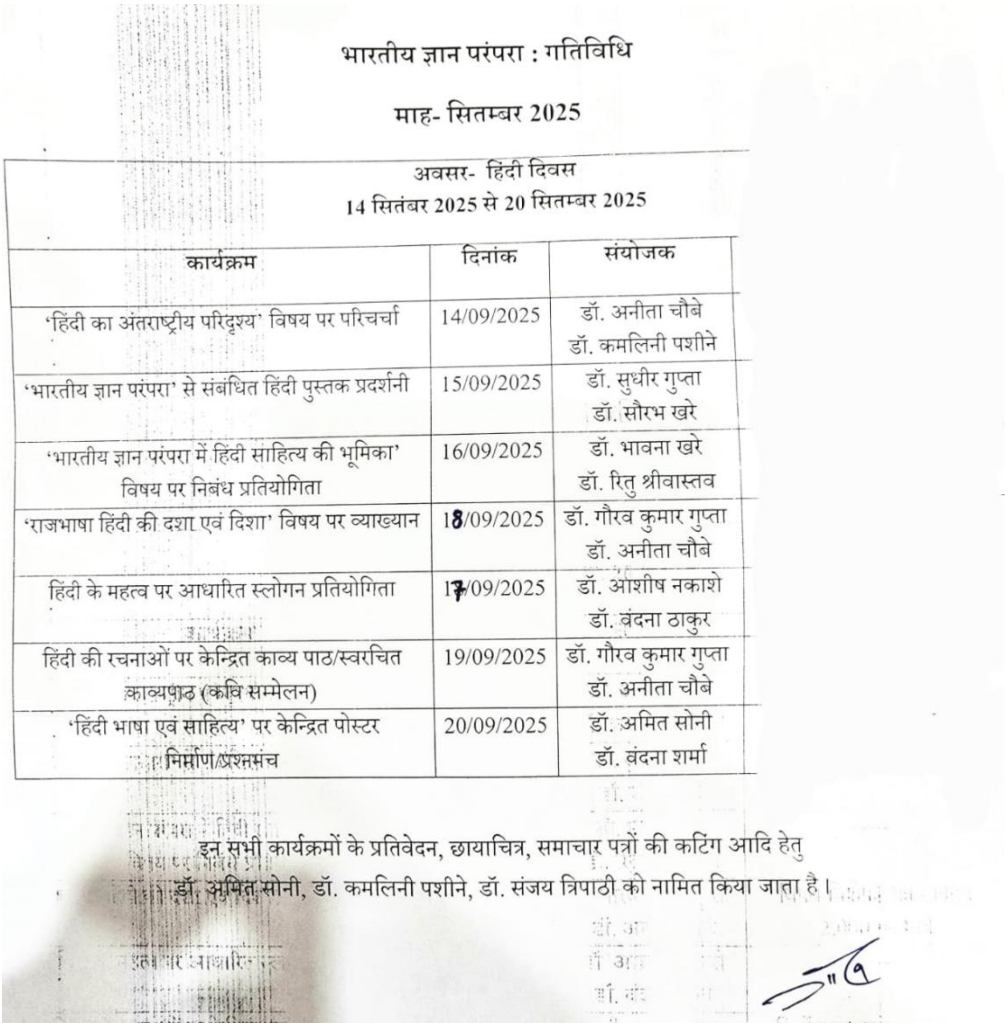

भारतीय ज्ञान परंपरा : गतिविधि

माह- सितम्बर 2025

अवसर- हिंदी दिवस
14 सितंबर 2025 से 20 सितम्बर 2025

कार्यक्रम	दिनांक	संयोजक
'हिंदी का अंतराष्ट्रीय परिदृश्य' विषय पर परिचर्चा	14/09/2025	डॉ. अनीता चौबे डॉ. कमलिनी पशीने
'भारतीय ज्ञान परंपरा' से संबंधित हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी	15/09/2025	डॉ. सुधीर गुप्ता डॉ. सौरभ खरे
'भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य की भूमिका' विषय पर निबंध प्रतियोगिता	16/09/2025	डॉ. भावना खरे डॉ. रितु श्रीवास्तव
'राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा' विषय पर व्याख्यान	18/09/2025	डॉ. गौरव कुमार गुप्ता डॉ. अनीता चौबे
हिंदी के महत्व पर आधारित स्लोगन प्रतियोगिता	17/09/2025	डॉ. आशीष नकाशे डॉ. वंदना ठाकुर
हिंदी की रचनाओं पर केन्द्रित काव्य पाठ/स्वरचित काव्यपाठ (कवि सम्मेलन)	19/09/2025	डॉ. गौरव कुमार गुप्ता डॉ. अनीता चौबे
'हिंदी भाषा एवं साहित्य' पर केन्द्रित पोस्टर निर्माण/प्रश्नमंच	20/09/2025	डॉ. अमित सोनी डॉ. वंदना शर्मा

इन सभी कार्यक्रमों के प्रतिवेदन, छायाचित्र, समाचार पत्रों की कटिंग आदि हेतु डॉ. अमित सोनी, डॉ. कमलिनी पशीने, डॉ. संजय त्रिपाठी को नामित किया जाता है।

दिनांक 14 सितंबर 2025, हिंदी का अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य विषय पर परिचर्चा

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
हिंदी सप्ताह

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। हिंदी सप्ताह का प्रारंभ **"हिंदी का अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य"** विषय पर परिचर्चा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. देव आनंद हिंडोलिया, कुलसचिव शैलेन्द्र कुमार जैन, हिंदी के

विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव कुमार गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के समक्ष मालयार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु ने हिंदी के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि सन 1953 में पहली बार हिंदी दिवस मनाने से लेकर आज वर्तमान तक हिंदी एक वैश्विक भाषा बनकर उभरी है। चूँकि हिंदी विश्वविद्यालय देश में हिंदी का प्रतिनिधित्व कर रहा है अतः यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसका सम्मान करते हुए इसे अधिक से अधिक बढ़ावा दें। कार्यक्रम में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों द्वारा अतीत में हिंदी के क्षेत्र में किए गए कार्य एवं प्रयासों की चर्चा करते हुए हिंदी के संबंध में भविष्य की कार्य योजना पर प्रकार डाला गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की शिक्षक डॉ. अनीता चौबे ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। ज्ञान हो कि हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 14 सिंतबर से 19 सितंबर तक प्रतिदिन एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत भातरीय ज्ञान परंपरा की पुस्तक प्रदर्शनी, निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान, स्लोगन प्रतियोगिता, काव्य पाठ, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

दिनांक 15 सितंबर 2025, “भारतीय ज्ञान परंपरा” से संबंधित हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी

भारतीय ज्ञान
परंपरा पुस्तक
प्रदर्शनी

दिनांक 16 सितंबर 2025 ”निबंध प्रतियोगिता” जिसका शीर्षक ’”भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य की भूमिका”’था।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा हिंदी सप्ताह 2025’ के अंतर्गत आज दिनांक 16.09.2025 (दिन मंगलवार) समय 12:00 बजे ”निबंध प्रतियोगिता” का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ’”भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य की भूमिका”’था। इस प्रतियोगिता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालीखेड़ी एवं अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के समस्त विभाग के अधिक से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को आशीर्वाद देने एवं भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता बताने के लिए विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु महोदय जी भी उपस्थित रहे। सहयोग देने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकगढ़, प्राध्यापक गढ़, कर्मचारी बंधुओ, मालीखेडी स्कूल के शिक्षकगढ़ भी उपस्थित रहें।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

दिनांक 17 सितंबर 2025
“हिंदी के महत्व” पर आधारित स्लोगन प्रतियोगिता

अटल बिहारी वाजपई हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल, द्वारा हिंदी सप्ताह 2025 के अंतर्गत आज दिनांक 17.09.2025 समय 11:00 बजे डॉ.आशीष नकाशी एवं डॉ. वंदना ठाकुर के संयोजन से ‘‘स्लोगन प्रतियोगिता‘‘ का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक ‘‘हिंदी का महत्व‘‘ था। इस प्रतियोगिता में सिटी कॉन्वेंट विद्यालय के विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। सहयोग के लिए डॉ.नीलम सिंह, डॉ. भावना खरे, डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ.रितु श्रीवास्तव एवं डॉ. अमीन खान उपस्थित रहे।

दिनांक 18 सितंबर 2025
राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा विषय पर व्याख्यान

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा हिंदी सप्ताह दिनांक 14 से 19 सितम्बर 2025 तक मनाया गया, जिसके अंतर्गत दिनांक 18 सितम्बर 2025 को ’राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा’ विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में हमीदिया कला

एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु डॉ देव आनंद हिंडोलिया जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. देव आनंद हिंडोलिया, कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन एवं मुख्य वक्ता द्वारा मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. शारदा सिंह जी ने अपने व्याख्यान में हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में हिंदी की उपादेयता पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि – हिंदी राजभाषा के रूप में नित नए प्रतिमान गढ़ती जा रही है। हिंदी राजभाषा के अतिरिक्त संचार भाषा और मातृभाषा के रूप में भी निरंतर प्रगति कर रही है। वर्तमान समय में हिंदी भारत की राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यह देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है और भारत के विभिन्न भाषाई समूहों के बीच संवाद का माध्यम बनती है। इसके अतिरिक्त, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी का प्रसार बढ़ रहा है, जिससे यह एक वैश्विक संचार माध्यम भी बन गई है।

कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलगुरु जी ने कहा कि हिंदी भारत की विविधता में एकता का प्रतीक है और विभिन्न समुदायों को जोड़ती है। यह हमारी संस्कृति, साहित्य और मूल्यों को दर्शाती है। अंत में कुलसचिव श्री शैलेंद्र कुमार जैन ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी गण तथा छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग द्वारा किया गया।